उत्तर: आशीष परमेश्वर की एक विशेष प्रतिफल या इनाम है जो पृथ्वी पर रहते हुए किसी व्यक्ति को प्राप्त होती है। आशीष किसी के द्वारा किए गए कर्मों या उसकी प्रार्थनाओं के उत्तर के रूप में मिल सकती है।

उदाहरण के लिए, याबेस नामक व्यक्ति ने परमेश्वर से आशीष माँगी और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना सुनकर उसे आशीषित किया।

1 इतिहास 4:10
“याबेस ने इस्राएल के परमेश्वर को पुकारकर कहा, ‘यदि तू
सचमुच मुझे आशीष दे, और मेरी सीमाओं को बढ़ाए, और तेरा हाथ मेरे साथ रहे, और तू मुझे बुराई से बचाए कि मैं पीड़ा न उठाऊँ!’ और परमेश्वर ने जो उसने माँगा, उसे दिया।”

परमेश्वर की आशीषें मुख्य रूप से दो श्रेणियों में बाँटी जा सकती हैं:

1. आत्मिक आशीषें

ये वे आशीषें हैं जो मनुष्य की आत्मा से संबंधित होती हैं और ये भौतिक आशीषों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होती हैं।

आत्मिक आशीषों में पहली और सबसे बड़ी आशीष है — उद्धार। वह व्यक्ति जिसने यीशु मसीह पर विश्वास किया है और अपने पापों की क्षमा पाई है, वह सच्चे अर्थों में आशीषित है, क्योंकि उसके पास अनन्त जीवन है।

इफिसियों 1:3
“हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता की स्तुति हो, जिसने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में हर प्रकार की
आत्मिक आशीष दी है।”

आत्मिक आशीषें मन में आनन्द, शांति, स्थिरता और पवित्रता को जन्म देती हैं।

जो आत्मिक रूप से आशीषित होते हैं, वे भले ही सांसारिक वस्तुएँ न रखें, फिर भी वे आनंद से जीते हैं क्योंकि उनकी आत्मा यीशु में आशीषित होती है — और यीशु ही सब कुछ है।

2. शारीरिक (भौतिक) आशीषें

शारीरिक आशीषें वे होती हैं जो परमेश्वर मनुष्य के शरीर और सांसारिक जीवन के लिए देता है — जैसे स्वास्थ्य, पद, संतान या धन।

सुलैमान एक उदाहरण है, जिसे अत्यधिक धन और वैभव प्राप्त हुआ। उसके जैसा कोई न तो पहले था और न उसके बाद हुआ।

पुराने नियम में अब्राहम और अय्यूब जैसे कई लोग थे जिन्हें परमेश्वर ने भौतिक रूप से बहुत आशीष दी थी।
लिआ को बहुत से बच्चे मिले — यह भी एक आशीष थी। शिमशोन को अद्भुत शारीरिक शक्ति दी गई।

नए नियम में यूसुफ अरिमथिया से लेकर बहुत-सी स्त्रियाँ — योअन्ना, सुज़न्ना और अन्य कई (लूका 8:3) — धन से आशीषित थीं और उन्होंने प्रभु की सेवा में सहयोग किया।

लूका 8:3
“और योअन्ना जो हेरोदेस के भण्डारी कूज़ा की स्त्री थी, और सुज़न्ना और बहुत-सी और स्त्रियाँ, जिन्होंने अपनी

सम्पत्ति से उसकी सेवा की।”

और कई उच्च पदों पर आसीन स्त्री-पुरुषों ने प्रभु यीशु पर विश्वास किया:

प्रेरितों के काम 17:12-14
“सो उन में से बहुतों ने विश्वास किया, और यूनानियों में से बहुत सी प्रतिष्ठित स्त्रियाँ और पुरुष भी।”

भौतिक आशीष आत्मिक आशीष की पहचान हो सकती है, पर यह एकमात्र प्रमाण नहीं है। क्योंकि ऐसे बहुत से धनी लोग हैं जो यीशु में विश्वास नहीं करते, और ऐसे लोग पहले भी थे।

बहुत से अमीर लोग नरक की आग में होंगे:

लूका 16:20-31
अमीर और लाज़र की कहानी यही सिखाती है।

यीशु ने कहा:

मरकुस 8:36
“यदि मनुष्य सारी दुनिया को प्राप्त करे और अपनी आत्मा की
हानि उठाए, तो उसे क्या लाभ होगा?”

वहीं दूसरी ओर, कई गरीब लोग हैं जो शारीरिक आशीषों से वंचित हैं लेकिन आत्मिक रूप से बहुत समृद्ध हैं:

याकूब 2:5
“हे मेरे प्रिय भाइयों, सुनो; क्या परमेश्वर ने जगत के दरिद्रों को नहीं चुना कि विश्वास में धनी और उस राज्य के
वारिस हों, जो उसने अपने प्रेम रखनेवालों से वादा किया है?”

इसलिए जब हम सब मसीह में एक हैं, तो हमें एक-दूसरे को उसकी सांसारिक स्थिति से नहीं आंकना चाहिए, बल्कि उस आशीष के अनुसार उसकी सेवा करनी चाहिए जो उसे परमेश्वर से प्राप्त हुई है।

क्योंकि जिसे तुम गरीब समझते हो, वह आत्मिक दृष्टि से बहुत धनी

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

हो सकता है। जैसा परमेश्वर का वचन कहता है:

प्रकाशितवाक्य 2:9
“मैं तेरे क्लेश और तेरी दरिद्रता को जानता हूँ — पर तू तो धनी है…”

और जिसे तुम आत्मिक रूप से कमजोर मानते हो, हो सकता है कि वह भौतिक दृष्टि से बहुत आशीषित हो, जिससे सुसमाचार का कार्य आगे बढ़े और संतुलन बना रहे, तथा हम सब एक-दूसरे का सम्मान करें।

यह भी सम्भव है कि कोई व्यक्ति परमेश्वर की इच्छा से आत्मिक और भौतिक दोनों प्रकार की आशीष पाए।
परन्तु यह असंभव है कि कोई व्यक्ति यीशु पर विश्वास करे और फिर भी पूरी तरह आशीषों से वंचित हो।

यदि ऐसा दिखाई दे कि कोई व्यक्ति हर दृष्टि से खाली है, तो उसके विश्वास में कोई कमी है। उसे अपने जीवन और विश्वास की दिशा की जाँच करनी चाहिए।

क्या तुमने यीशु को स्वीकार किया है?
अगर तुम्हारे जीवन में दुख, डर और चिंता भरी है, तो यह इस बात का

संकेत हो सकता है कि आत्मिक आशीषों की कमी है।

आज यीशु को ग्रहण करो, ताकि तुम आत्मिक आशीषों के फल चख सको।

प्रभु तुम्हें आशीष दे।

इन शुभ समाचारों को दूसरों के साथ भी बाँटो!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp